IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, December 2024
Impact Factor: 7.57

शहरीकरण और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच संबंध का विश्लेषण

रितु[1] **डॉ. संदीप राणा[2]**

[1]शोधार्थी [2]शोध निर्देशक

भूगोल–विभाग

एन.आई.आई.एल.एम विश्वविद्यालय, कैथल (हरियाणा)

सारांश

यह अध्ययन "शहरीकरण और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच संबंध" का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। वर्तमान समय में शहरीकरण तीव्र गति से बढ़ रहा है, विशेष रूप से विकासशील देशों में, जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक विकास, औद्योगिकीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। हालांकि, इसके साथ-साथ पर्यावरणीय समस्याएँ जैसे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या, हरित क्षेत्रों में कमी तथा जैव विविधता का ह्रास भी बढ़ रहा है। इस शोध का मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि शहरीकरण किस प्रकार पर्यावरणीय स्थिरता को प्रभावित करता है तथा दोनों के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जा सकता है। अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान पद्धति का उपयोग किया गया है तथा 120 उत्तरदाताओं के नमूने के आधार पर डेटा एकत्रित किया गया। प्राप्त निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि अनियोजित शहरीकरण पर्यावरणीय असंतुलन को बढ़ाता है, जबकि योजनाबद्ध और सतत शहरी विकास पर्यावरणीय संरक्षण को प्रोत्साहित कर सकता है। हरित अवसंरचना, स्मार्ट सिटी अवधारणा, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग तथा प्रभावी शहरी नियोजन के माध्यम से शहरीकरण के नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है। यह अध्ययन इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि शहरीकरण और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच एक जटिल किन्तु प्रबंधनीय संबंध है, जिसे उचित नीतियों, तकनीकी नवाचार और जन-सहभागिता के माध्यम से संतुलित किया जा सकता है।

मुख्य संकेतक: - पर्यावरणीय स्थिरता, सतत विकास, प्रदूषण, हरित अवसंरचना।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, December 2024
Impact Factor: 7.57